दौरान, अक्तूबर, 1991 तक औसत आपूर्ति लगभग 10 मिलियन मानक घन मीटर प्रतिदिन थी । पाइपलाइन की क्षमता के भावी उन्नयन को हिसाब में लेते हुए, पहले ही 34.4 मिलियन मानक घन मीटर प्रतिदिन का आबंटन किया जा चुका है । कम उपयोग का कारण है कुछ डाऊन-स्ट्रीम परियोजनाओं की स्थापना में विलम्ब । गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड के अनुसार, प्रत्येक मिलियन घन मीटर गैस प्रति दिन से कम क्षमता का उपयोग करने के कारण उन्हें लगभग 2.5 करोड़ रुपए प्रति माह का घाटा होता है ।

पेट्रोल की मांग

605. **श्री रणजीत सिंह :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में पेट्रोल की मांग प्रतिवर्ष बढ़ रही है ;

(ख) यदि हां, तो चालू वित्तीय वर्ष के लिए पेट्रोल की कुल कितनी मात्रा की खपत का अनुमान लगाया गया है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में कच्चे तेल को परिष्कृत करने की अधिष्ठापित क्षमता केवल 51.85 मी० टन है ;

(घ) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि 1994–95 तक पेट्रोल की मांग लगभग 70 मी० टन हो जाने की आशा है ;

(ङ) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि उत्पादन बढ़ाने की दृष्टि से स्थापित किए गए तेल शोधक कारखानों में अभी तक उत्पादन प्रारम्भ नहीं हुआ है ; और यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(च) क्या यह सच है कि तेल शोधक परियोजनाओं को पूरा करने में की गई अपर्याप्त प्रगति से कच्चे तेल का उत्पादन कम हो जायेगा ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) जी, हां ।

(ख) अप्रैल से अक्तूबर तक, 1991 के दौरान पेट्रोल की कुल खपत 2103.0 टी०एम०टी० हुई है अर्थात् वर्ष 1990–91 की तदनुरूपी अवधि के दौरान खपत की तुलना में 0.7% की वृद्धि हुई है ।

(ग) जी, हां ।

(घ) जी, नहीं ।

(ङ) सभी रिफाइनरियों में उत्पादन हो रहा है ।

(च) जी, नहीं ।

Fixation of Gas price

606. SHRI SARADA MOHANTY:
SHRIMATI MIRA DAS:
SHRI CHIMANBHAI MEHTA:

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) what is the internationally accepted formula for the fixation of gas price per 1000 CMS for the consumers;

(b) whether Government and the O.N.G.C. follow the same formula; if so, in what manner;

(c) whether it is a fact that the capital accumulation for further expansion of O.N.G.C. is being done through the mechanism of high prices being charged from the consumers;

(d) whether Government propose to resort to any other method for raising the capital; and

(e) if so, what steps Government propose to take in that direction?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) to (e) Generally it is the long range marginal cost of production. The question of revising gas prices has been looked